कोटा के स्कूल में माननीय अध्यक्ष का संबोधन

मेरे अपने परिवार के सभी वरिष्ठजन,

मैं यहां पर देख रहा हूं कि जिन्होंने मुझे स्कूल में पढ़ाया, शिक्षा दी, दीक्षा दी, संस्कार दिए, वे गुरुदेव भी यहां पर आए हैं। मैं उनको भी प्रणाम करता हूं। आज सभी शिक्षक, जिन्होंने अपना संपूर्ण जीवन समाज को समर्पित किया है। यहां पांच साल से लेकर 90 वर्ष की उम्र तक के लोग बहुत उत्साह और उमंग के साथ आए हैं। उसमें आप सब का आशीर्वाद है।

मैंने पहला चुनाव वर्ष 2003 में लड़ा था और आपने आशीर्वाद दिया था। फिर वर्ष 2008 में आशीर्वाद दिया और वर्ष 2013 में विधान सभा चुनाव में आशीर्वाद दिया। फिर वर्ष 2014 के अंदर आशीर्वाद दिया और फिर वर्ष 2019 में आपने आशीर्वाद दिया। आपके प्यार और आशीर्वाद के कारण मैं इतना ऋणी हूं कि मुझे ऐसा लगता है कि मैं किसी भी पद पर पहुंच जाऊँ, लेकिन आपसे निकट संबंध बनाकर उसी तरीके से आपकी सेवा करता रहूंगा। आप सब ने आशीर्वाद दिया और आपसे व्यक्तिश: मिलना नहीं होता है लेकिन आपके आशीर्वाद की ताकत मेरे साथ हमेशा रहती है। कोटा दक्षिण की जनता का प्यार, स्नेह और आशीर्वाद काफी मिला है। उनकी ऊर्जा इतनी रहती है कि मुझे हर काम करने में उनकी ऊर्जा और उनकी दी गई प्रेरणा से मेरी कोशिश रहती है कि मुझे जो भी दायित्व मिले, उसे मैं सफलता से निभाऊं। मैं आज आपको यह विश्वास दिला सकता हूं, भरोसा दिला सकता हूं कि दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र, सबसे जीवंत लोकतंत्र और इस 75 वर्ष की लोकतंत्र की यात्रा के अंदर भारत में लोकतंत्र सशक्त हुआ है, मजबूत हुआ है। मेरी भी कोशिश रहती है कि इस लोकतंत्र के मंदिर का जिन पूर्व माननीय अध्यक्षों ने संचालन किया, आपकी प्रेरणा और ऊर्जा से मैं विश्व के सबसे बड़े लोकतंत्र के मंदिर को ठीक से संचालन करके सब के सहयोग से, सब के साथ मिलकर हम कैसे देश की जनता का कल्याण कर सकते हैं, कैसे देश का विकास कर सकते हैं, उसके लिए मैं लगा रहता हूं। जब कभी भी मैं कोई नया काम शुरू करता हूं तो उसमें आपके चेहरे को देखता हूं। मन में बहुत इच्छा थी कि कोटा दक्षिण विधान सभा को राज्य का एक मॉडल विधान सभा बना सकूं, विकास हो तो मूलभूत सुविधाओं का विकास हो और लोगों की हर बुनियादी सुविधा का विकास हो।

लेकिन राजनीति में कई कारण होते हैं, जिनकी वजह से कुछ लोग विधान सभा क्षेत्रों के विकास में भी अंतर करने का प्रयास करते हैं। विचारधारा के आधार पर अगर पक्षपात करने का प्रयास करेंगे, तो यह किसी राज्य और देश के लिए उचित नहीं हो सकता है। इसीलिए आप निश्चिंत रहिए, मुझे एक-एक गली की समस्याओं का पूरा ध्यान है। विधायक महोदय भी लगे रहते हैं। हालत यह है कि विधायक कोष के 11 करोड़ रुपए के काम को भी अभी तक स्वीकृत नहीं किया गया है, उसे कागजी कार्रवाई में ही लटकाकर रखा गया है। यह स्थिति आज बनी हुई है।

आप लोग समय का इंतजार कीजिए। वह समय आएगा, जब मैं मेरे सपनों को पूरा कर पाऊँगा। जिस तरह से इस संसदीय क्षेत्र के लोगों ने मुझ पर विश्वास-भरोसा किया है, मेरा विश्वास है कि मैं उनके विश्वास और भरोसे को कायम रखूँगा।

आपका आशीर्वाद मिलता रहे। आप परिवार के लोग हैं। मैं इसको परिवार से अलग नहीं मानता। कभी कोई दिल्ली में बैठकर कहता है, कभी कोई विधानसभा में कहता है, तो वह एक ही बात कहता है कि कोटा दक्षिण विधानसभा बिरला जी का परिवार है। यह मेरा अपना परिवार है। आप सब में से कोई मेरे छोटे भाई हैं, कोई बड़े भाई हैं, कोई पिता तुल्य हैं। इसीलिए मेरा आपसे आग्रह है कि आपका आशीर्वाद इसी तरह से मिलता रहे। हम कोशिश कर रहे हैं कि और बेहतर परिणाम आए। हम अभी और वक्त का इंतजार करेंगे। लेकिन एक दिन बेहतर परिणाम जरूर आएंगे, जब कोटा, बूंदी संसदीय क्षेत्र और इस वार्ड के वार्ड पार्षद श्री भानु प्रताप जी को मैं बहुत-बहुत साधुवाद देता हूँ, जिन्होंने बहुत ही निकट से, सेवा के माध्यम से, हर मोहल्ले में, हर गली के लोगों से मिलकर, उनसे संपर्क करके विकास के बहुत-से काम कराए हैं। पुनीत धाम पार्क में उन्होंने चौकीदार हट बनवाया, कंपिटिशन कॉलोनी में ओपन जिम और ट्रैक बनवाया, राधाकृष्ण पार्क में विकास के नये काम का शुभारंभ होगा। वार्ड नम्बर 66 में विस्तार योजना के तहत योग भवन का शिलान्यास हुआ है। कोटा दक्षिण विधान सभा में माननीय विधायक जी ने यहाँ की जनता की बुनियादी मांगों को देखते हुए, एक करोड़ रुपए की लागत से यहाँ पर वॉटर कूलर दिया है ताकि हर व्यक्ति की प्यास बुझ सके।

निश्चित रूप से, आप सबका आशीर्वाद, आप सबका प्यार, आपका स्नेह मुझे इसी तरह से मिलता रहता है। मैं एक बात कहता हूँ कि जब मैंने वर्ष 2014 में चुनाव लड़ा, तब भी आपने चुनाव लड़ा, मैं दक्षिण विधान सभा में नहीं आया, वर्ष 2019 में चुनाव लड़ा, तो भी मैं दक्षिण विधान सभा में नहीं आया, फिर भी आपने चुनाव लड़ा। जब मेरा परिवार होता है, तो परिवार की जिम्मेवारी ज्यादा हो जाती है कि वह सभी सात विधान सभाओं में साथ मिलकर चुनाव लड़े। ऐसा ही आशीर्वाद मुझे मिला है।